26

30 AUG 2019

GENERAL STUDIES (Module – 7)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/19 (N-M)–M–**GS17**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Devendra Prakash Meena **Mobile Number:** _____

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** * 7102

Center & Date: DL 30/08/19 **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: 113450

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
*इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।*
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

1. हड़प्पा काल के चित्रकारों में उत्कृष्ट कलात्मक संवेदनशीलता और जीवंत कल्पनाएँ विद्यमान थीं। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

The artists of the Harappan period had fine artistic sensibilities and vivid imaginations. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हड़प्पाकाल का उद्भव ईसा पूर्व 3000 हजार वर्ष पहले माना जाता है, जो नगरीय सभ्यता के रूप में विकसित हुई।

किसी भी काल का सबसे महत्वपूर्ण भाग तत्कालीन संसाधन सीमितता के बावजूद उत्कृष्ट कलात्मक अभिव्यंजना से माना जाता है। हड़प्पाकालीन चित्रकला इसी परिपक्वता की दशा है।

महत्वपूर्ण कलात्मक अभिव्यक्तियाँ

① हड़प्पा काल में चित्रकला का विकास मुख्यतः चित्रित लिपि के संदर्भ में माना जाता है।

② रचनात्मक अभिव्यक्ति → चित्रकारों द्वारा तत्कालीन जीवन को दर्शाना।

③ मृदभांड चित्रण → मृदभांडों पर चित्रण इस काल की महत्वपूर्ण विशिष्टता है।

④ उपासना → पशुपतिनाथ की मूर्ति, मोहरों पर अपने आराध्य का अंकन।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

हड़प्पा काल के चित्रकारों ने तत्कालीन प्राकृतिक सौंदर्य को भी अपनी कला का हिस्सा बनाया।

चित्रकला के अतिरिक्त हड़प्पाकालीन कला के अन्य रूपों में जीवन्तता एवं काल्पनिकता का समावेश है

(1) नृत्य करती कांस्य मूर्ति।

(2) हिलती गर्दन युक्त बैल का खिलौना।

(3) नगर नियोजन व्यवस्था।

(4) वृहद स्नानागार एवं भंडार गृह

सारांशतः कहा जा सकता है कि भीमबेटका एवं बाघ की गुफाओं से निकलकर चित्रकला एवं अन्य कलाओं ने हड़प्पाकालीन कारीगरों के द्वारा पूर्णता को प्राप्त किया।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लि
चाहिये।
(Candidate must
write on this mar

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. छठी शताब्दी के धार्मिक आंदोलन के फलस्वरूप भारत में जैन तथा बौद्ध धर्म अस्तित्व में आए। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

Jainism and Buddhism emerged in India in response to religious unrest in the 6th century. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वैदिक धर्म में धार्मिक प्रतिलोम की प्रवृत्तियों से उत्पन्न विकारों को दूर करने के लिए जैन एवं बौद्ध धर्म का विकास हुआ।

विकास के कारण

① जाति एवं वर्ण व्यवस्था का उर्ध्वाधर स्वरूप

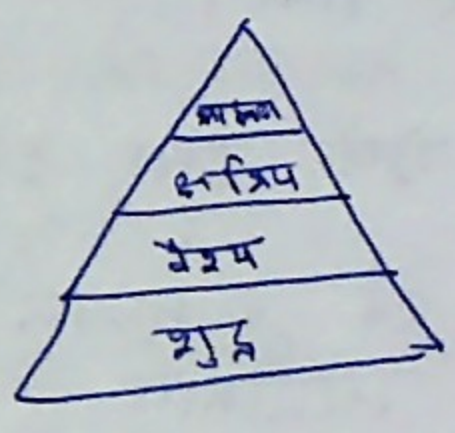

② धार्मिक आडम्बर - बलिप्रथा एवं अनेक प्रकार के जादू-टोने।

③ लोहे की खोज - इससे खेती योग्य भूमि का विकास हुआ। → वैश्यों एवं शुद्रों की आर्थिक स्थिति मजबूत
→ पशुओं की आवश्यकता में वृद्धि (खेती में)

इन विकारों को ध्यान में रखते हुये जैन सम्प्रदाय (ऋषभदेव) तथा बौद्ध धर्म (महात्मा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

बुद्ध) द्वारा अहिंसा, सत्य, समानता, इहलौकिकता, मानववाद आदि विचारों को जन्म दिया गया। ये विचार छठी शताब्दी ईसा पूर्व भी प्रचलन में थे, धीरे-धीरे इनका विकास हुआ।

6ठी शताब्दी में विकास

① गुप्तोत्तर काल में हिन्दू धर्म को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त नहीं होना।

② मनुस्मृति, जैसे ग्रंथों द्वारा शोषण की प्रवृत्ति।

③ क्षेत्रीय राजाओं एवं सामन्तवादी प्रथा का उभार।

④ जैन-बौद्ध धर्म का सरलीकरण

इस प्रकार स्पष्ट है कि ईसा पूर्व 6ठी शताब्दी से प्रारंभ हुआ, जैन एवं बौद्ध धर्म का विकास कुछ सरल प्रवृत्तियों के साथ लोगों के समय उपस्थित हुआ।

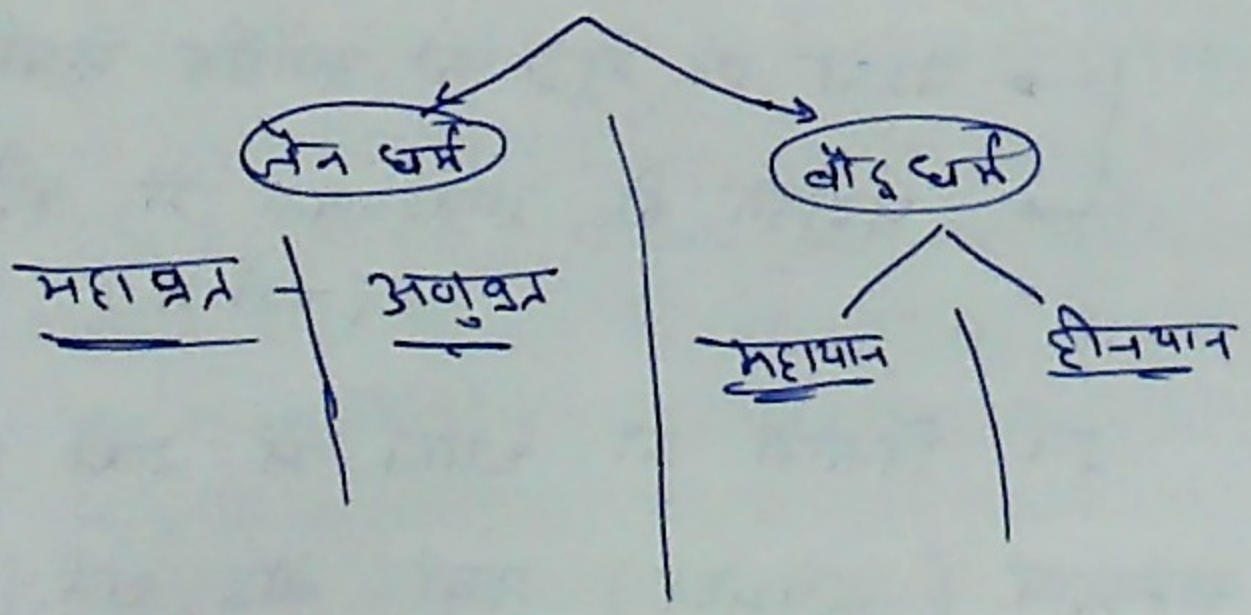

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

3. आतंकवादी राष्ट्रवाद के उद्भव की स्थितियाँ बंगाल विभाजन की घोषणा से पूर्व ही विकसित हो चुकी थीं। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

Conditions for the emergence of militant nationalism had already developed when the partition of Bengal was announced. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

निष्क्रिय नरमपंथी राजनीति एवं अप्रभावी गरमपंथी विचारधारा ने क्रांतिकारी विचारधारा को जन्म दिया।

बंगाल विभाजन पूर्व की घटनाएँ

→ महाराष्ट्र में सावरकर बंधुओं द्वारा <u>अभिनव भारत समाज</u> की स्थापना तथा इसके द्वारा क्रांतिकारी आन्दोलन।

→ अनन्त लक्ष्मण कान्हरे द्वारा ब्रिटिश अधिकारी की हत्या करना।

स्थितियाँ जिन्होंने आतंकवादी राष्ट्रवाद को जन्म दिया

① लगातार विकल होती गरमपंथी एवं नरमपंथी विचारधारा।

② <u>लिटन द्वारा भारत विरोधी कार्य</u>
- वर्नाक्युलर एक्ट
- शस्त्र अधिनियम

③ <u>लार्ड कर्जन की नीतियाँ</u>
- विश्वविद्यालय अधिनियम
- फ्रेजर आयोग (गुप्तचरी)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright © Drishti Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को
हाशिये में नहीं
चाहिये।
(Candidate m
write on this

⑷ लाई रिपन → भारतीयों के प्रति हो रहा भेदभाव उजागर हुआ।

⑸ विदेशी घटनाएँ → ● यूरोपीयों की पराजयों ने मौका प्रदान किया।

साथ ही बंगाल विभाजन की घटना ने आग में घी का काम किया और क्रांतिकारी राष्ट्रवाद ने नवीन दिशा और नेतृत्व प्राप्त किया।

यहाँ से प्रारंभ हुआ क्रांतिकारी राष्ट्रवाद गांधी द्वारा असहयोग आन्दोलन की वापसी, रूसी क्रांति से प्रेरणा तथा पत्रिकाओं के प्रकाशन आदि से प्रेरित होकर एक ● उग्र स्वरूप धारण करता है। जिसमें भगतसिंह, चन्द्रशेखर आजाद, विस्मिल, जैसे क्रांतिकारियों का योगदान था।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. भारत के डीप ओशन मिशन के उद्देश्यों और महत्त्व की चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Discuss the objectives and significance of India's Deep Ocean Mission. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

डीप ओशन मिशन भारत सरकार ~~का~~ के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा हिन्द महासागर में संचालित किया जा रहा है।

उद्देश्य

① अनुसंधान → समुद्री सतह में हो रहे परिवर्तनों का अनुसंधान।

② हिन्द महासागर में आ रही आपदाओं एवं भूकम्प संबंधी आँकड़ा संग्रहण एवं अध्ययन।

③ ~~मोक~~ मोक ड्रिल द्वारा तैयारी पूर्णता एवं जोखिम न्यूनीकरण।

महत्व

① आपदा प्रत्यास्थता → आपदाओं के संबंध में पूर्व जानकारी एवं शमन हेतु रणनीतियाँ।

② कूटनीतिक - तटीय देशों के साथ आँकड़ो का समग्र विश्लेषण, वैश्विक आपदा क्षति को कम करने के सँयुक्त लक्ष्यों की प्राप्ति।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इ
हाशिये में नहीं
चाहिये।
(Candidate mu
write on this m

③ आर्थिक लाभ → पॉलीमैटेलिक नोड्यूल्स के द्वारा महत्त्वपूर्ण खनिजों का निष्कर्षण।

④ जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का अध्ययन
→ भविष्य की रणनीति तैयार करना।

सारांशतः स्पष्ट है कि डीप ओशन मिशन एक बहुउद्देशीय महत्त्व से युक्त परियोजना है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. भू-चुंबकत्व की अवधारणा की व्याख्या कीजिये। पृथ्वी के चुंबकीय उत्तरी ध्रुव में हाल में हुए परिवर्तन/स्थानांतरण के प्रभाव की विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

Explain the concept of geomagnetism. Discuss the impact of recent shift in the Earth's magnetic north pole. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भू-चुम्बकत्व से आशय पृथ्वी के घुर्णन के कारण पृथ्वी के कोर का चुम्बक की तरह व्यवहार करने से है।

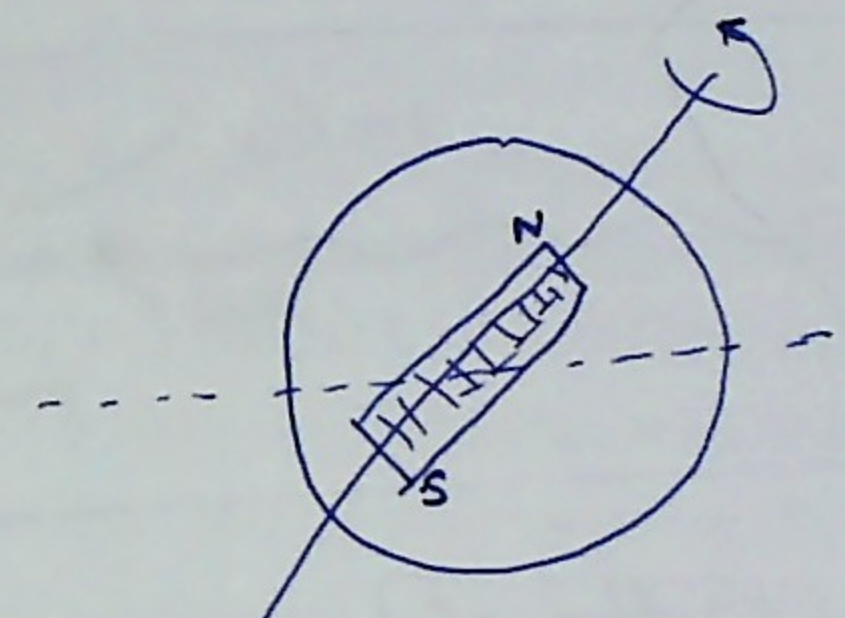

कारण

पृथ्वी के कोर में Fe तथा Ni की उपस्थिति के कारण एवं इनके तरल अवस्था में होने से घुर्णन के साथ पृथ्वी का कोर एक चुम्बक की भाँति व्यवहार करता है।

पृथ्वी का ~~चुम्बकीय~~ चुम्बकीय उत्तरी ध्रुव कनाडा के समीप उत्तरी ध्रुव में है, जिसका लगातार रूस के साइबेरिया की ओर विस्थापन हो रहा है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं चाहिये। (Candidate n write on this

प्रभाव

① कैम्पास में परिवर्तन होने से दिशा की सटीक सूचना प्राप्त न होना।

② वर्तमान व्यापारिक जल मार्गों को प्रभावित करेगा।

③ परिवहन के लिए प्रयुक्त वायुमार्गों में परिवर्तन।

फिलहाल परीक्षणों के अभाव में कारणों का अध्ययन होना एक चुनौती है, किन्तु चुम्बकीय ध्रुव का स्थानान्तरण एक गंभीर घटना है, जिसके परिणाम स्थायी एवं दूरगामी है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. जेट प्रवाह (जेट स्ट्रीम) क्या हैं? ये भारत की जलवायु को किस प्रकार प्रभावित करती हैं? (150 शब्द) 10

What are Jet streams? How do they affect the climate of India? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वायुमंडल की ऊपरी परतों में वायुदाब के कारण ऊष्मा के रूप में ऊर्जा की उत्पत्ति तथा इसके रॉस्बी तरंगों के रूप में पश्चिम से पूर्व की ओर संचलन, जेट स्ट्रीम कहलाता है।

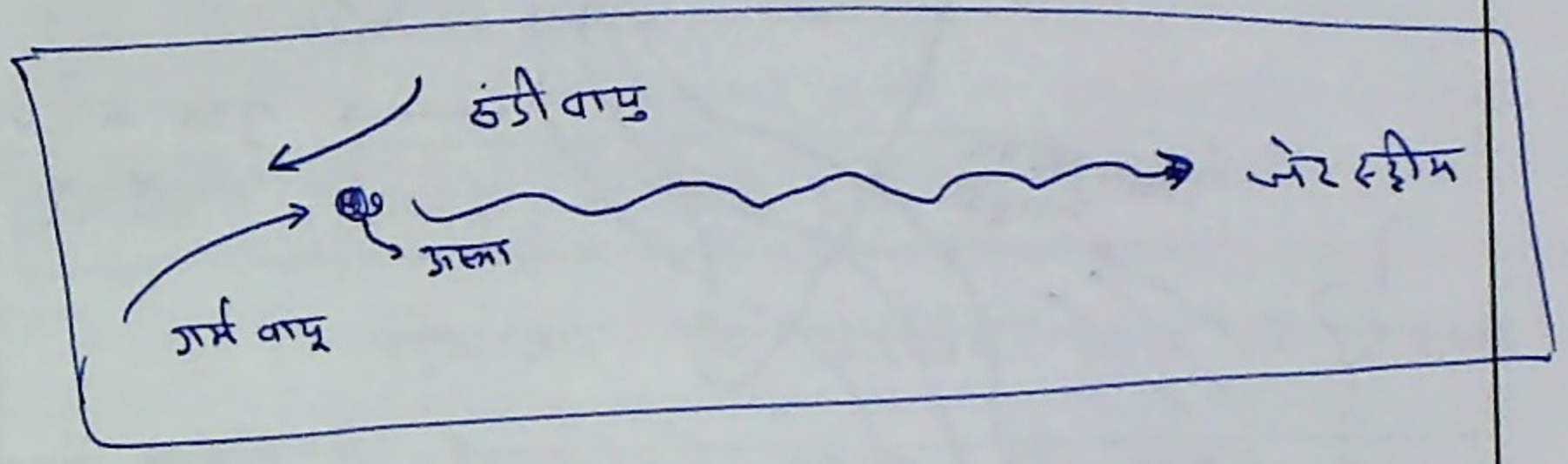

- जेट स्ट्रीम
  - उष्ण कटिबंधीय पूर्वी जेट स्ट्रीम
    - ⇓
    - भारत पर प्रभाव
    - ⇓
    - मानसून की उत्पत्ति एवं वर्षा में।
  - उपोष्ण कटिबंधीय पश्चिमी जेटस्ट्रीम
  - ध्रुवीय जेट स्ट्रीम

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

भारत पर प्रभाव

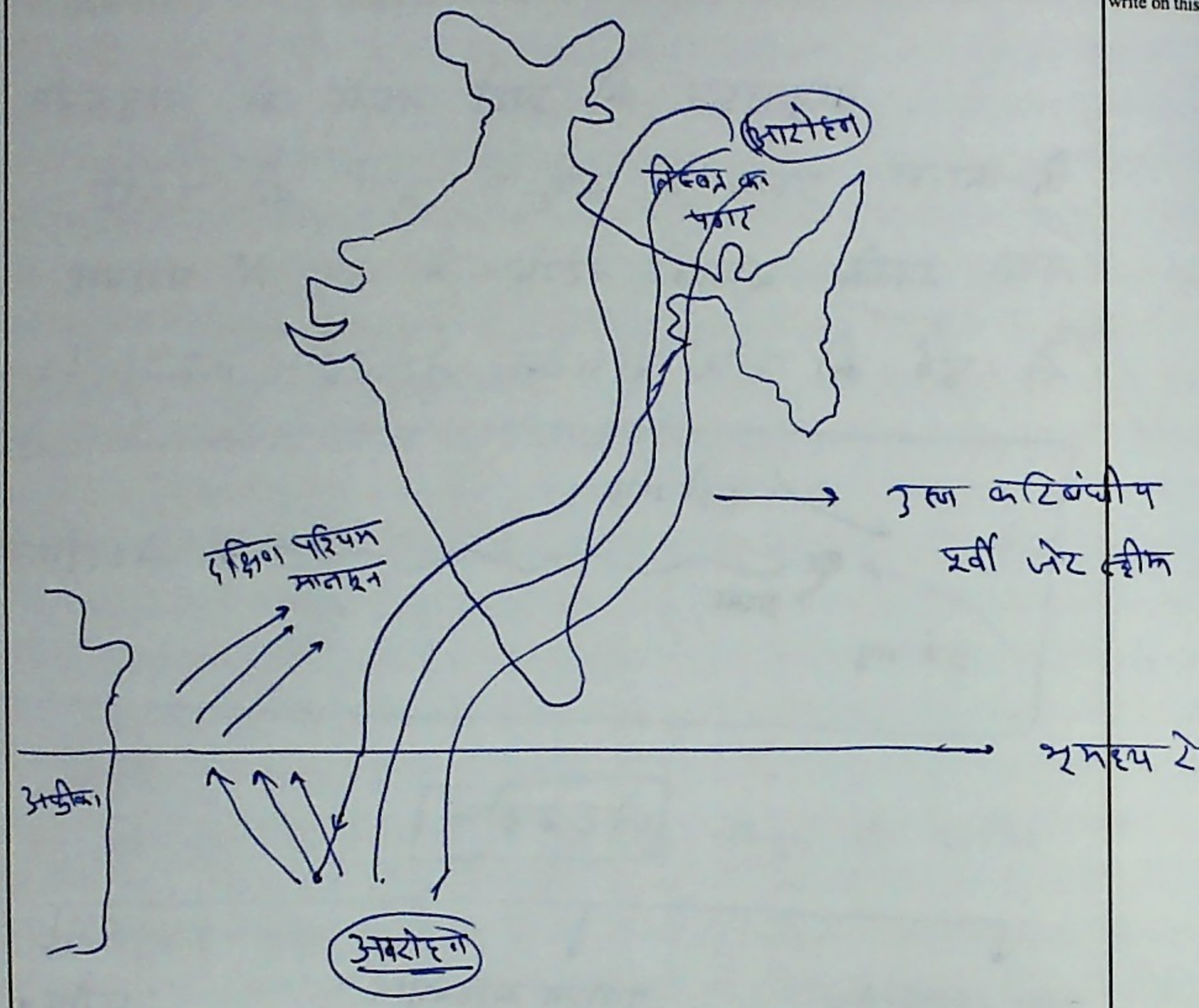

① मानसूनी वर्षा का मूल कारण उत्तर-कटिबंधीय पूर्वी जेट स्ट्रीम है।

② उत्तर कटिबंधीय जेट स्ट्रीम के कारण उत्तरी भारत के समीप तिब्बत के पठार से वायु का आरोहण होने से दाब में कमी होती है, जिससे भारत में मानसूनी वर्षा होती है।

अतः जेट स्ट्रीम न केवल जलवायु बल्कि भारत की आर्थिक- 14 सामाजिक गतिविधियों को भी प्रभावित करता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को
हाशिये में नहीं
चाहिये।
(Candidate m
write on this

7. हिमनदों के पीछे हटने (हिमनद रिट्रीट) से आप क्या समझते हैं? हिमालयी हिमनदों के पीछे हटने से भारतीय उपमहाद्वीप पर पड़ने वाले प्रभावों की विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

What do you understand by glacial retreat? Discuss the impact of retreating Himalayan glaciers on Indian subcontinent. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हिमनदों की उपस्थिति पृथ्वी के क्रायोस्फेयर मंडल के लिए आवश्यक है। जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में वृद्धि से हिमगलन की दर में वृद्धि हिमनदों के पीछे हटने का कारण है।

हिमालयी हिमनदों के पीछे हटने का प्रभाव

हिमालय में सर्वाधिक मात्रा में ग्लेशियरों की उपस्थिति है, जिसके कारण इसे विश्व का तीसरा ध्रुव कहा जाता है।

① समस्थैतिक असंतुलन → हिमालय से हिमनदों की अनुपस्थिति समस्थैतिक असंतुलन का कारण बनेगी, जो अनेक भूगर्भिक घटनाओं भूकम्प, भूस्खलन का कारण बनेगी।

② जलापूर्ति → उपमहाद्वीप की 70% जल की निर्भरता हिमालयी नदियों पर है। इसे वाटर टावर ऑफ एशिया कहते है।

हिमनदों की अनुपस्थिति से गंभीर जल-

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

संकट का सामना करना पड़ेगा।

③ <u>अर्थव्यवस्था</u> - <u>कृषि की निर्भरता</u>
→ <u>जलाभाव</u>
↓
खाद्यान्न संकट

④ <u>पर्यावरण</u> - अनेक पर्यावरणीय घटकों की इन पर निर्भरता। हिमालय एक <u>हॉटेस्ट हॉटस्पॉट</u> है

⑤ <u>संघर्ष</u> - जलभाव के कारन राष्ट्रों में संघर्ष की स्थिति।

आगे की राह

→ जल के प्रबंधन पर बल देना।

<u>3R</u> -

→ जलवायु <u>परिवर्तन</u> के प्रभावों को कम करना।
→ वनारोपण
→ GHG का कम उत्सर्जन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

8. आप 'धर्मनिरपेक्षता' और 'लैंगिक न्याय' के मापदंडों पर तीन तलाक विधेयक के पारित होने का परीक्षण किस प्रकार करते हैं? (150 शब्द) 10

How do you evaluate the passage of Triple Talaq Bill on the parameters of 'secularism' and 'gender justice'? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हाल ही में तीन तलाक विधेयक को पारित कर कानून का रूप प्रदान किया गया।

(1) धर्म निरपेक्षता -

↳ भारत में धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान किया गया है

→ Art. 25 – 28

किसी धर्म विशेष के लिए कानून का निर्माण राज्य की धर्मनिरपेक्ष प्रवृत्ति पर सवाल उठा सकता है किन्तु संविधान में सदाचार, लोक व्यवस्था तथा स्वास्थ्य आदि के आधार पर युक्ति-युक्त निर्बंधन है।

साथ ही पूर्व में हिन्दू धर्म कोड का पास होना भी इसका समर्थक है।

(2) लैंगिक न्याय - ↳ मुस्लिम धर्म में महिलाओं

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

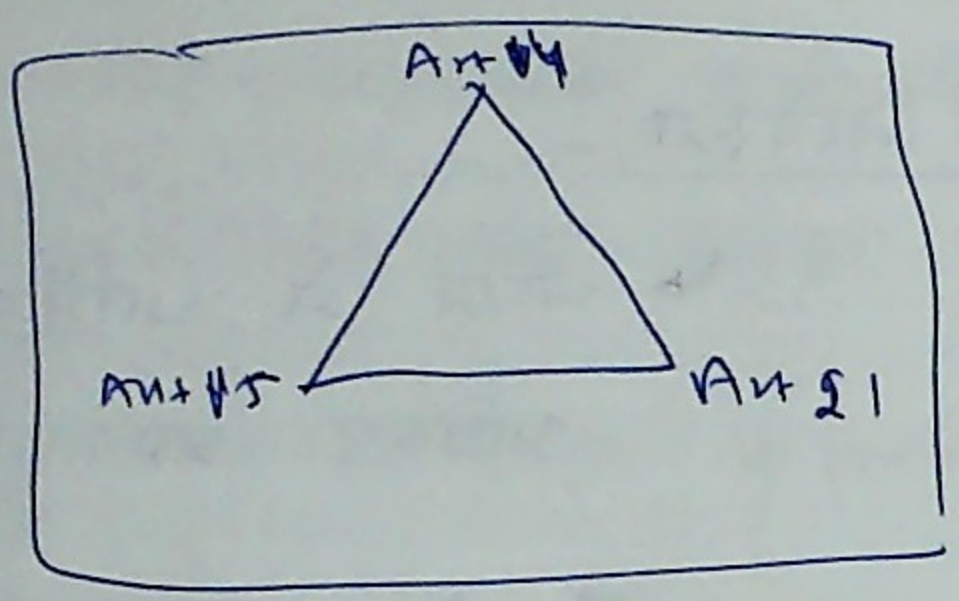

के प्रति हो रहे अत्याचार के विरुद्ध सख्त कानून का होना आवश्यक है।

क्योंकि तत्काल तीन तलाक विरोधी है -

Art. 14, Art 15, Art 21 का।

स्पष्ट है कि लैंगिक न्याय की स्थापना एक अतिमहत्वपूर्ण प्रश्न है। साथ ही भारतीय धर्म निरपेक्षता में राज्य धर्म से तटस्थ नहीं है बल्कि आवश्यक बदलाव कर सकता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

9. पारंपरिक भारतीय समाज में ऐसी कौन-सी अक्षमताएँ थीं जिनका सामना महिलाओं को करना पड़ा? उनके निवारण हेतु आधुनिक सुधार आंदोलनों द्वारा उठाए गए कदमों की विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

What were some of the disabilities from which women suffered in traditional Indian society? Discuss the steps taken by the modern reform movements for their emancipation. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

पारम्परिक पितृसत्तात्मक समाज द्वारा अनेक प्रतिबंध महिलाओं पर आरोपित किये थे। जिनमें प्रमुख है -

① मंदिर प्रवेश निषेध → शनि सिंगनापुर
→ सबरीमाला

② मासिक धर्म संबंधी दुर्व्यवहार
↳ अस्वच्छ मानना ~~बल्कि~~ जबकि प्राकृतिक

③ भ्रूण हत्या - पुत्र की चाह में PcPNDT का दुरुपयोग

④ खाप पंचायत → चयन का अधिकार नहीं

⑤ आर्थिक निर्भरता → पति/परिवार पर निर्भरता

⑥ तीन तलाक → मुस्लिम महिलाओं द्वारा

उठाये गये आन्दोलन

① द्वारा भारतीय मुस्लिम महिला आन्दोलन द्वारा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

हाजी अली दरगाह में प्रवेश।

② तीन तलाक के संबंध में शायराबानो वाद

③ भ्रूण हत्या के विरोध में
→ बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ
→ सुकन्या समृद्धि योजना

④ आर्थिक निर्भरता के लिए SHG को प्रोत्साहन

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. सांप्रदायिकता क्या है? क्या आप सहमत हैं कि सांप्रदायिकता की समस्या औपनिवेशिक शासकों की भारत को एक भेंट है? (150 शब्द) 10

What is communalism? Do you agree that the problem of communalism is a gift of colonial rulers to India? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

साम्प्रदायिकता से तात्पर्य है कि किसी धर्म। सम्प्रदाय के द्वारा अपने स्व हितों की पूर्ति के लिए अन्य सम्प्रदाय के घृणा। हित्व।

साम्प्रदायिकता के तीन चरण

① 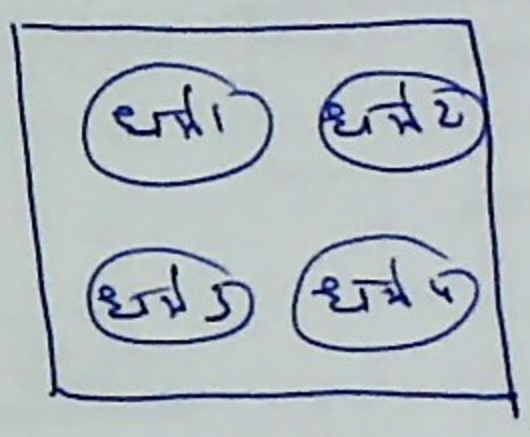

सभी धर्मों में आपसी सामंजस्य।

② 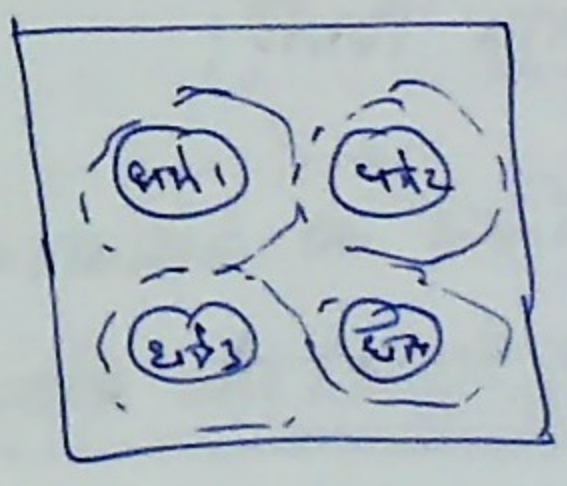

धर्मों में आपसी सामंजस्य किन्तु राष्ट्रीय एकता के नाम पर सुलह।

③ 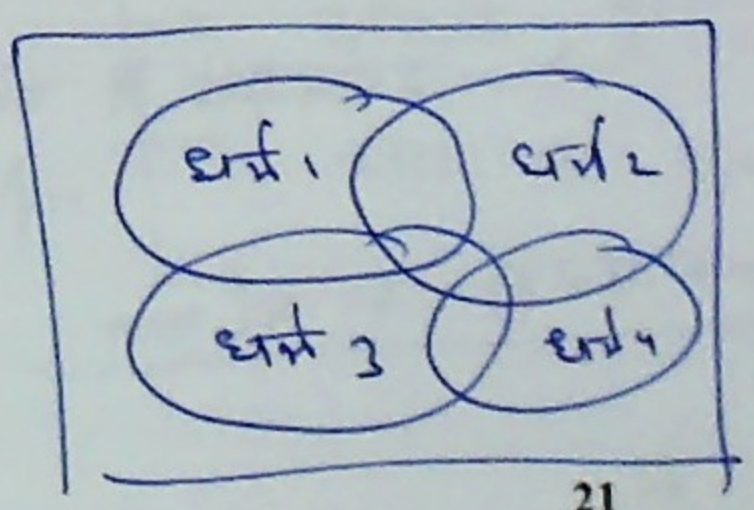

हितों में टकराव एवं वैमनस्य

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार क
हाशिये में ना
चाहिये।
(Candidate
write on thi

सामप्रदायिकता का कारण

ब्रिटिश फूट डालो एवं राज करो की नीति ने गंगा-जमुनी तहजीब पर कठोर प्रहार किया, और धीरे-धीरे हिन्दू-मुस्लिम वैमनस्य को बढ़ाया।

इसी के तहत उन्होंने मुस्लिम लीग को समर्थन दिया। साम्प्रदायिक निर्वाचन प्रणाली लाई गई।

अन्य कारण

① सापेक्षिक वंचना → वर्तमान में आर्थिक रूप से निम्न स्थिति।

② दोष पूर्ण शिक्षा → मध्यकाल को अंधकार काल एवं अकबर को विदेशी बताना।

③ पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं → राजनीति में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं होना

④ प्रशासन द्वारा त्वरित कार्यवाही न कर पाना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. ब्रिटिश व्यापार एवं उद्योग के हितों के तहत भारतीय अर्थव्यवस्था की अधीनता के अनेक तथा विविध परिणाम प्राप्त हुए थे। परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

The results of subordination of the Indian economy to the interests of British trade and industry were many and varied. Examine. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

ब्रिटिशों द्वारा भारत को अपना आर्थिक उपनिवेश के रूप में स्थापित किये जाने के अनेक लाभ प्राप्त किये गये थे।

ब्रिटिशों पर प्रभाव

① औद्योगिक क्रांति की सफलता

- भारत से कच्चे माल की प्राप्ति
- भारत में उत्पादित माल की खपत
- भारत में विऔद्योगिकरण

② रेलवे

- ब्रिटिश उद्योगों को लाभ
- धन की निकासी
- व्यापार में वृद्धि।

③ कृषि का वाणिज्यीकरण

- अधिक भूराजस्व की प्राप्ति
- चाय का उत्पादन (निर्यात)
- कपास का उत्पादन (निर्यात)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

④ भारतीय उद्योगों पर अधिक कर

↳ भारतीय उद्योगों का निर्यात कम

↳ वि औद्योगिकरण

↳ सीमित पूँजी के कारण नवीन उद्योगों का विकास नहीं।

भारत पर प्रभाव

① कृषि में ऋणग्रस्तता

↳ किसानों की भूमि पर जमींदार / महाजनों का कब्जा

② उद्योगों का पतन

↳ बेरोजगार मजदूरों का गाँवों में पलायन। भूमिहीन श्रमिक।

(वर्तमान में भी 56+ भूमिहीन श्रमिक)

③ निर्यात - आयात दुष्चक्र

↳ शुद्ध निर्यातक से शुद्ध आयातक राष्ट्र में परिवर्तन।

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इस प्रकार स्पष्ट है कि ब्रिटिश नीतियों ने भारतीय हस्तशिल्प, उद्योग, कृषि तथा किसानों का सर्वथा नाश किया।

ब्रिटिश शासन उस बादल की भाँति था, जिसने गंगा के मैदान से समृद्धि सोखकर टेम्स नदी में वर्षा की।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

12. ऐसी कौन-सी परिस्थितियाँ थीं जिन्होंने 19वीं शताब्दी में साम्राज्यवाद के विकास में सहायता प्रदान की? साथ ही एक साम्राज्यवादी राष्ट्र के रूप में जापान के उद्भव पर चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

What were the conditions that helped the growth of imperialism in the 19th century? Also discuss the evolution of Japan as an imperialist power. (250 words) 15

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

साम्राज्यवाद से तात्पर्य है, किसी विकसित राष्ट्र द्वारा अन्य राष्ट्र पर आर्थिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक नियंत्रण करना।

19 वीं सदी में साम्राज्यवाद का प्रभाव मुख्यत: अफ्रीका एवं एशिया महाद्वीप पर रहा

परिस्थितियाँ

→ तत्कालीन समय में दो प्रकार की परिस्थितियाँ थी

पारम्परिक	नवीन
① व्यापार एवं आर्थिक हित ② साम्राज्य विस्तार ③ आपसी प्रतिस्पर्धा ④ राष्ट्रीय गौरव से जोड़ना।	① इटली एवं जर्मनी का एकीकरण। ② अफ्रीका के संबंध में जानकारी (आरंभ में अंध महाद्वीप) ③ धार्मिक - सांस्कृतिक प्रसार ④ औद्योगिक क्रांति

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इस प्रकार पारम्परिक एवं नवीन प्रवृत्तियों का समावेश साम्राज्यवाद के प्रसार का कारण बना। जिसने 1810 तक केवल 10% अफ्रीकी उपनिवेश को 1880 तक 90% उपनिवेश में परिवर्तित कर दिया।

प्रभाव

① अल्प विकसित राष्ट्रों का शोषण एवं आर्थिक निकासी।

② सामुदायिक नीतियाँ (फूट डालो एवं राज करो)

③ सांस्कृतिक विरूपण (वहाँ की सांस्कृतिक विशिष्टता को नष्ट किया)

जापान का साम्राज्यवादी राष्ट्र के रूप में उभार

<u>कारण</u> -

① <u>आर्थिक विकास</u> → तटीय देश होने से व्यापार द्वारा आर्थिक विकास।

② <u>द्वीपीय राष्ट्र</u> - जनसंख्या में वृद्धि।

③ <u>प्रतिस्पर्धा</u> - वैश्विक राष्ट्रों से प्रतिस्पर्धा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

जापान ने अपने औपनिवेशिक विस्तार के क्रम में चीन के मंचूरिया क्षेत्र पर नियंत्रण स्थापित किया, जिसमें उसने रूस को पराजित किया।

प्रभाव

(1) आर्थिक हितों की पूर्ति।

(2) चीनी राष्ट्रवाद का उदय।

(3) रूसी क्रांति का एक कारण।

सारांशतः स्पष्ट है कि जापान ने आर्थिक विकास के माध्यम से छोटे होने के बावजूद सशक्त होकर उपनिवेशों की स्थापना की।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

13. रूसी क्रांति के क्या कारण थे? साथ ही भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन पर रूसी क्रांति के प्रभाव की विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

What were the causes of the Russian Revolution? Also discuss the impact of the Russian Revolution on Indian National Movement. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

रूस में पूंजीवादी शोषण के विरुद्ध हुई साम्यवादी क्रांति को रूसी क्रांति कहा जाता है, जो प्रथम विश्वयुद्ध के उत्तरार्द्ध में सम्पन्न हुई।

क्रांति के कारण

① निरंकुश राजतंत्र → दैवीय व्यवस्था आधारित जारशाही
→ संवेदनहीनता

② वर्ग विभाजन → विशेषाधिकार वर्ग → सामन्त, गरीब किसान
→ कर केवल मध्य वर्ग पर

③ किसान एवं मजदूर दशा
→ 67% पादरी (चर्च), 13% सामन्त } भूमि का
→ किसानों का शोषण (बेगार)
→ पूंजीवाद का प्रसार → मजदूर शोषण

④ साम्यवादी विचारधारा
→ बोल्शेविक → हिंसक क्रांति द्वारा
→ मेनशेविक → राजनैतिक परिवर्तन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को हाशिये में ना... चाहिये। (Candidate ... write on thi...

⑤ 1905 की क्रांति
- → जुलुस का दमन (खूनी रविवार)
- → जन विद्रोह = ड्यूमा का गठन

[लेनिन ने इसे सवेरा पूर्व अभ्यास कहा है]

⑥ बौद्धिक वर्ग
- → गोर्की - 'द मदर'
- → टालस्टाय -
- → तुर्गनेव -

} विचारों द्वारा जन जागरूक

⑦ जापान द्वारा मंचूरिया विजय
→ जारशाही का खोखलापन उजागर

⑧ प्रथम विश्वयुद्ध →
- → जबरन सैन्य भर्ती
- → आर्थिक व्यय

भारत पर प्रभाव

रूसी क्रांति ने पूँजीवाद के विरुद्ध संघर्ष की प्रेरणास्रोत के रूप में कार्य किया, जिससे विभिन्न उपनिवेशों में उपनिवेशवाद विरोधी आन्दोलन प्रारंभ हुये।

भारत में क्रांतिकारी आन्दोलन का उद्भव रूसी क्रांति से प्रभावित था

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

→ साम्यवादी विचारधारा → भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में साम्यवादी विचारधारा का आगमन हुआ।
↳ हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिवोल्यूशनरी एसोसिएशन (HSRA)

→ विभिन्न समाजवादी राजनैतिक दलों का उद्भव।
↳ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया

→ भारत में श्रमिक संघों की स्थापना

→ कॉंग्रेस में समाजवादी विचारधारा का प्रभाव-
अनेक कांग्रेसी नेता समाजवादी विचारधारा से प्रभावित हुये।

→ स्वतंत्रता पश्चात् प्रभाव
↳ मिश्रित अर्थव्यवस्था
↳ राज्य के नीति-निदेशक तत्व

सारांशतः स्पष्ट है कि इसी क्रांति के भारत पर प्रभाव सकारात्मक एवं दूरगामी रहे।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

14. भारत में हुई प्रमुख पर्यावरणीय गतिविधियों पर प्रकाश डालिये। इसके अतिरिक्त पर्यावरणीय गतिविधियों से जुड़े आर्थिक और समरूपता संबंधी मुद्दों की विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

Throw light on the major environmental movements witnessed in India. Also, discuss the economic and identity issues associated with environmental movements. (250 words) 15

उम्मीदवार ... हाशिये में न ... चाहिये। (Candidate ... write on th...

पर्यावरण, मानव के चारों ओर उपस्थित घटकों का सम्मिलित रूप है। वर्तमान में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के कारण पर्यावरण के प्रति जागरूकता में वृद्धि हुई है।

प्रमुख आन्दोलन / गतिविधियाँ

① सरकारी प्रयास

- पेरिस जलवायु समझौते का अनुपालन
- विकास में हरित आवरण का ध्यान रखना। Ex- ग्रीन हाइवे
- मृदा स्वास्थ्य कार्ड
- पर्यावरण आकलन प्रभाव की अनिवार्यता
- हरित अधिकरण (NGT)
- सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंध
- ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा।
  - बायो डीजल
  - सौर ऊर्जा / पवन ऊर्जा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(2) नागरिक समाज -

→ नर्मदा बचाओ आन्दोलन
→ जल संरक्षण के प्रयास
  - कावेरी कॉलिंग
  - रैली फोर रिवर
→ हरित भवनों का निर्माण
→ BS-6 मानकों को अपनाना

आर्थिक मुद्दे

→ कृषि की उत्पादकता में कमी।
→ कंपनियों की लागत में वृद्धि।
  - (BS-6 को अपनाना)
  - ग्रीन मानकों को अपनाना
→ पर्यावरण प्रदूषण की आर्थिक लागत।
  (वैश्विक GDP का 6.5%)
→ स्वास्थ्य लागत

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

समस्या संबंधी मुद्दे

① गरीब एवं निम्न वर्ग पर अधिक प्रभाव

→ सुभेद्य अधिक
→ खाद्यान्न कमी
→ पोषण स्तर ⇊

② महिलाओं एवं बच्चों पर प्रभाव -

↳ गर्भवती महिलाएँ अधिक संवेदनशील

आगे की राहें

① 3R का प्रयोग

② सतत विकास लक्ष्यों पर बल

उम्मीदवा
हाशिये
चाहिये।
(Candid
write on

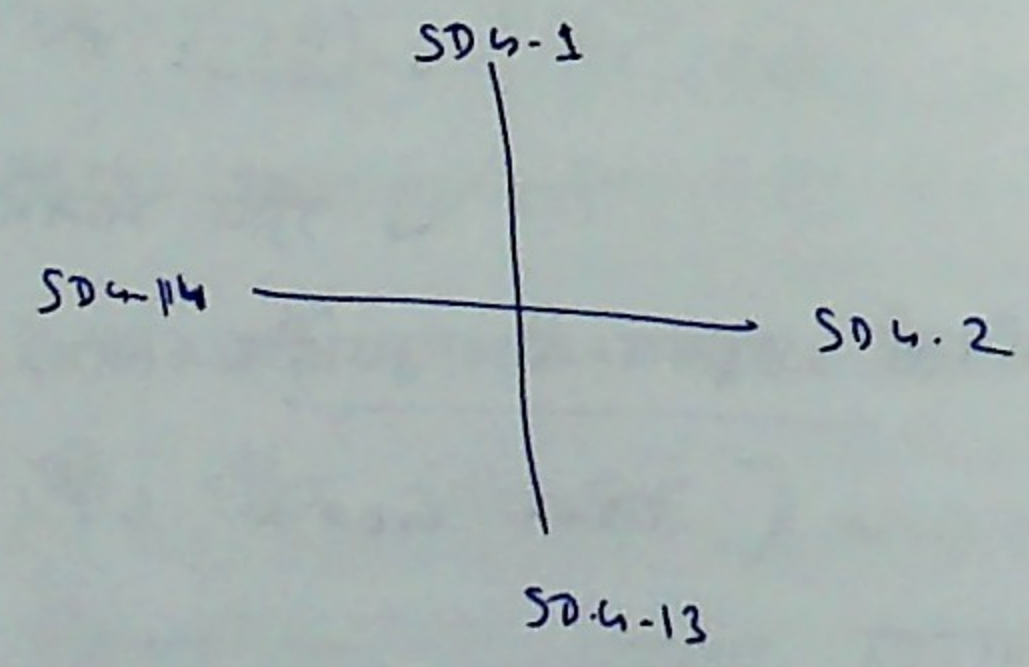

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

15. शिमला समझौते के मुख्य सिद्धांत क्या हैं? क्या आप सहमत हैं कि इस समझौते ने भारत के लक्ष्यों को पूरी तरह से प्राप्त नहीं किया? (250 शब्द) 15

What are the key principles of Simla Agreement? Do you agree that this Agreement did not fully achieve India's objectives? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1972 में भारत एवं पाकिस्तान के मध्य शिमला समझौता हुआ। जिसका प्रमुख उद्देश्य दोनो राष्ट्रों में स्थायी शांति व्यवस्था स्थापित करना था।

सिद्धांत

① कोई भी विवाद द्विपक्षीय रूप से हल।

② पारस्परिकता

③ आपसी हितों को महत्व।

④ सीमाओं की यथास्थितिवादिता

भारत का पक्ष

भारत हमेशा से शिमला समझौते को पालन करने वाला राष्ट्र रहा है। इसलिए वह प्रत्येक विवाद का द्विपक्षीय हल चाहता है।

ऐसे में भारत द्वारा अधिकांशतः शिमला समझौते की अनुपालन की गई है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

पाकिस्तान द्वारा 1999 में कारगिल युद्ध में शिमला समझौते का उल्लंघन किया गया। इसके बावजूद भारत वर्तमान में भी कश्मीर विवाद को शिमला समझौते की भाँति द्विपक्षीय रूप से सुलझाना चाहता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार
हाशिये में
चाहिये।
(Candidat
write on t

16. भारत में मृदा अपरदन के कारणों की विवेचना कीजिये। भारतीय कृषि पर इसके प्रभाव का परीक्षण करते हुए कुछ सुधारात्मक उपाय सुझाइये। (250 शब्द) 15

Discuss the causes of soil erosion in India. Examining its impact on Indian agriculture, suggest some remedial measures. (250 words) 15

मृदा विभिन्न घटकों के अन्तःसंयोजन का परिणाम है, जिसमें चट्टान, जलवायु, जैविक पदार्थ महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है।

सैकड़ों वर्षों में निर्मित मृदा का अपरदन के कारणों द्वारा कटाव, मृदा अपरदन कहलाता है। जैसे- मिट्टी, हवा द्वारा।

मृदा अपरदन के कारण

प्राकृतिक

→ अत्यधिक वर्षा।

→ बाढ़

→ चक्रवात / सुनामी

→ हवा के द्वारा स्थानान्तरण (मरुस्थल में)

मानवजनित

→ वृक्षों का कटाव

→ जल प्रणाली से छेड़छाड़। (नदियों पर बांध बनाने से)

→ कृषि योग्य भूमि का लगातार विस्तार (सिंचाई प्रणाली की अवैज्ञानिकता)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारतीय कृषि पर प्रभाव

① उत्पादन में कमी →
→ इससे उपजाऊ भूमि का ह्रास होता है।

② कृषि लागत में वृद्धि →
मृदा की उर्वरता में कमी से रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग बढ़ना

③ ऋणग्रस्तता → कम उत्पादन एवं अधिक लागत के कारण।

④ खाद्यान्न संकट → उत्पादन में कमी

⑤ अन्य प्रभाव →
- ग्रामीण - शहरी पलायन
- आत्म हत्या
- पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव

सुधारात्मक उपाय

① कृषि अवशिष्टों का जैव उर्वरक की भांति प्रयोग (मल्चिंग) → इससे मृदा संगठित रहती है एवं आर्द्रता बनी रहती है।

② मेड़ पर पेड़ → हवा द्वारा अपरदन कम

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6 जड़ों से मृदा संगठन में वृद्धि।

③ समोच्च रेखीय कृषि / सीढ़ीदार कृषि -

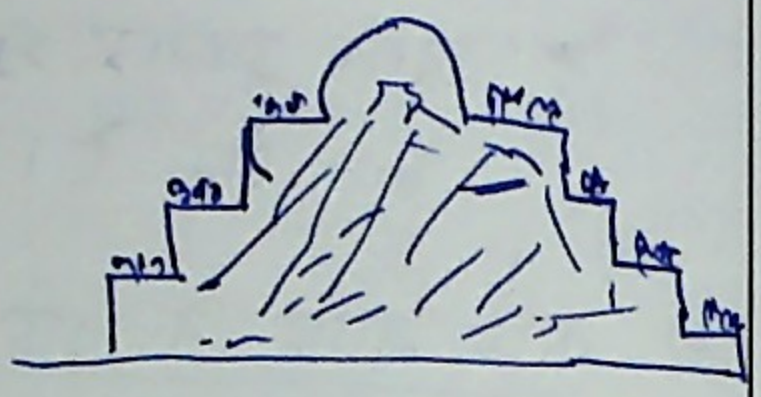

④ भौतिक उपाय

→ अवनलिका अपरदन के प्रभाव कम करने के लिए मिट्टी के कट्टों का प्रयोग

→ अंतः स्यन्दन बढ़ाने के लिए ऊपरी कठोर परत को तोड़ना।

⑤ मरुस्थलीय क्षेत्र के चारों ओर वृक्षपट्टी।

वैश्विक कृषि संगठन के अनुसार वर्तमान में कुल कृषि योग्य क्षेत्र की लगभग 52% भूमि निम्नीकरण का शिकार है, जो भविष्य में गंभीर खाद्य संकट एवं पलायन का कारण बन सकती है।

अतः मृदा जैसे आधारभूत स्रोत को बचाने के लिए सुसंगठित प्रयास करने की आवश्यकता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

17. उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारक कौन-से हैं? भारत में सूती वस्त्र उद्योग की अवस्थिति के लिये उत्तरदायी कारकों पर प्रकाश डालिये। (250 शब्द) 15

What are the various factors which affect location of industries? Highlight the factors responsible for location of cotton textile industry in India. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उद्योगों की अवस्थिति अनेक कारकों के सम्मिलित प्रभावों का का परिणाम है। इसे निर्धारित करने वाले कारक निम्न है -

① कच्चा माल → सर्वाधिक महत्वपूर्ण कारक
↳ यदि कच्चा माल शुद्ध तो कम निर्धारक
किन्तु कच्चामाल अन्य कारकों से मिश्रित, तब परिवहन लागत में कमी के कारण, कच्चे माल वाले क्षेत्र में। Ex- लोह इस्पात उद्योग

② मांग → वस्तुओं की मांग, ~~उत्पादन की~~
↳ बेकरी उद्योग
सूती वस्त्र

③ निर्यात → निर्यात के अनुकूल सुविधाएँ
↳ विशाखापत्तनम में लोह इस्पात उद्योग
फार्मास्युटिकल

④ ऊर्जा → सर्वाधिक महत्वपूर्ण कारक
सस्ती, सतत ऊर्जा
(वर्तमान में ग्रीन ऊर्जा को भी महत्व)
Ex- सौर ऊर्जा वाले क्षेत्र.

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

⑤ श्रमिक → सस्ता श्रम ताकि लागत कम
→ कुशल श्रम = [सॉफ्टवेयर उद्योग]

कम प्रभावी कारक, क्योंकि श्रमिकों का स्थानान्तरण संभव।

⑥ अन्य कारक → कानूनों की सरलता, सरकारी प्रोत्साहन, निवेश आदि।

Ex → विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ)
→ NIMZ (
→ DMIC

भारत में सूती वस्त्र उद्योग

उत्तरदायी कारक

① कच्चा माल - गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु में कपास उत्पादन।

② बाजार / मांग - दिल्ली, मुंबई, चेन्नई जैसे शहर।

③ निर्यात सुविधा - गुजरात में कांडला, मुंबई में JNPT, आदि बंदरगाह।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

④ ऊर्जा - सस्ती एवं सतत ऊर्जा।
↳ कोयला संचालित तापगृह
↳ जल विद्युत

⑤ विशेष प्रोत्साहन - निवेश की सुविधा। कानूनों की कम जटिलता के कारण गुजरात एवं महाराष्ट्र में विकास

इस प्रकार स्पष्ट है कि भारत में सूती उद्योग का विकास कुछ विशेष राज्यों तक सीमित रहा है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

18. भारत में बाल विवाह के प्रसार के क्या कारण हैं? इसके निहितार्थों पर चर्चा करते हुए इस प्रथा पर रोक लगाने के उपाय भी सुझाइये। (250 शब्द) 15

What are the reasons for prevalence of child marriages in India? While discussing its implications, also suggest measures to check this practice. (250 words) 15

उम्मीदवार ... हाशिये में ... चाहिये। (Candidate... write on th...

सरकार द्वारा निर्धारित उम्र [(लड़कों की 21 वर्ष) (लड़कियों की 18 वर्ष)] से कम उम्र में विवाह, बाल विवाह की श्रेणी में आता है। इसे बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम द्वारा प्रतिबंधित किया गया है।

प्रसार के कारण

① पितृसत्तात्मक समाज →
↳ बच्चियों को बोझ समझा जाना

② अशिक्षा एवं जागरूकता
→ ↳ बाल विवाह के दुष्प्रभावों के संबंध में जागरूकता का अभाव।
→ कानून की जानकारी नहीं।

③ दहेज -
→ दहेज जैसी कुप्रथा का होना।
↳ जल्दी विवाह से अथवा दो या अधिक सम्मिलित विवाह में लागत कम।

④ कानून का प्रभावी क्रियान्वयन नहीं - प्रतिवर्ष अक्षय तृतीया पर अनेक विवाह पर कानून का ढीला क्रियान्वयन।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(5) बढ़ते अपराध - बालिकाओं के प्रति बढ़ते अपराध के कारण जल्दी विवाह।

प्रसार क्षेत्र

राजस्थान, उत्तरी गुजरात तथा पश्चिमी उत्तरप्रदेश में अधिकांशतः प्रचलन।

प्रभाव

(1) शारीरिक - मानसिक -
- शारीरिक विकास अवरुद्ध होना
- मानसिक तनाव

(2) अधिकार उल्लंघन
- बचपन में विवाह चयन के अधिकार का उल्लंघन

(3) जनसंख्या वृद्धि
- कुल गर्भधारण वर्षों की संख्या में वृद्धि

(4) कुपोषण -
- कम उम्र में बच्चे पैदा होने से बच्चों में कुपोषण। इससे कुपोषण का आनुवांशिक प्रसार

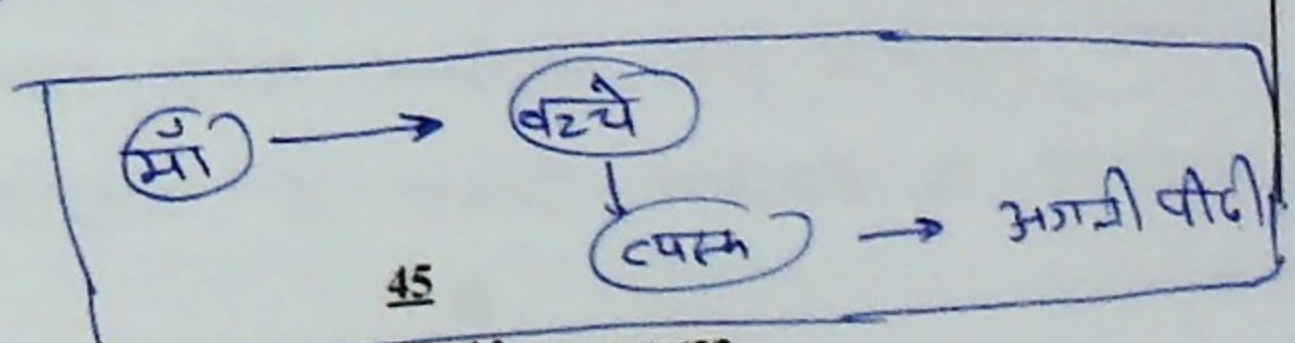

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

⑤ <u>शिक्षा</u> - कम उम्र में विवाह के कारण पारिवारिक जिम्मेदारी। जिससे शिक्षा छोड़ने की मजबूरी।

उपाय

चूंकि यह एक सामाजिक बुराई है। इसके लिए प्रभावों की व्यापकता देखते हुये समग्र प्रयासों की आवश्यकता है।

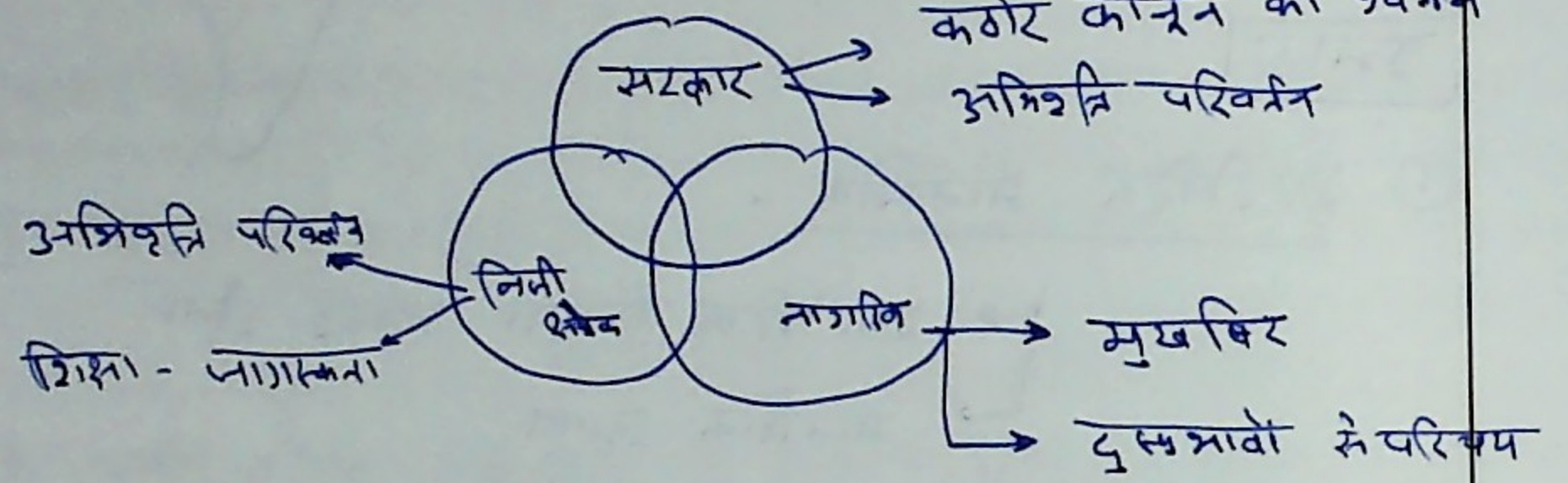

हाल ही में UNICEF तथा भारत सरकार ने राजस्थान में '<u>Fight against Child Marriage</u>' कार्यक्रम की शुरुआत की है।

बाल विवाह कुप्रथा का निवारण सतत विकास लक्ष्यों (SDG-3, SDG-4 SDG-5) की प्राप्ति में सहायक होगा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

19. सुपरिष्कृत संवैधानिक तथा कानूनी उपायों के बावजूद भारत में आज भी अस्पृश्यता विद्यमान है। अस्पृश्यता उन्मूलन में भारत को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है? (250 शब्द) 15

Despite elaborate Constitutional and legal measures in place, untouchability continues to persist in India even today. What are the challenges faced in eradication of untouchability in India? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अस्पृश्यता एक ऐतिहासिक बुराई है. जिसकी आधुनिक समाज में उपस्थिति संवैधानिक अधिकारों (Art. 17) के साथ मानव अधिकारों का भी उल्लंघन है।

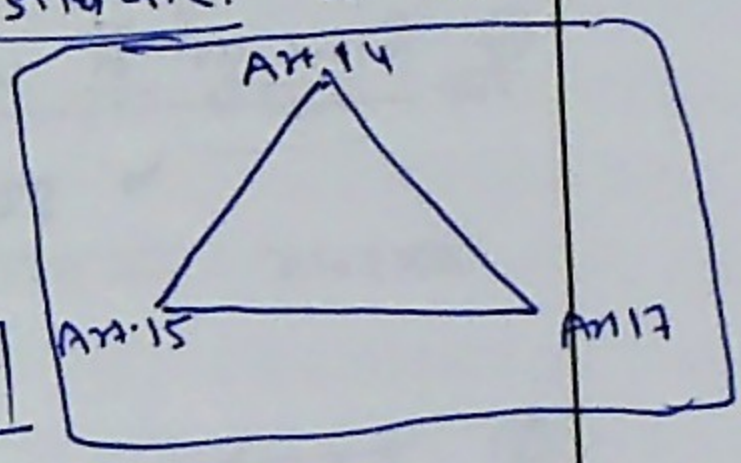

अस्पृश्यता की उपस्थिति के कारण

① सामाजिक मनोवृत्ति -
→ रूढ़िगत उर्ध्वाधर वर्णव्यवस्था

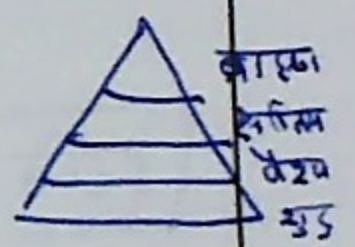

② शिक्षा एवं जागरूकता का अभाव
→ लोगों तक पर्याप्त जागरूकता नहीं
→ निम्न वर्ग में अधिकारों के प्रति जागरूकता नहीं

③ धार्मिक ग्रंथ - कुछ धार्मिक ग्रंथों की त्रुटिपूर्ण व्याख्या करना।

अस्पृश्यता को समाप्त करने के लिए महात्मा गांधी ने मंदिर प्रवेश आन्दोलन जैसे कार्यक्रम संचालित किये। संविधान में पर्याप्त अधिकारों की उपस्थिति

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

एवं कठोर कानूनों की उपस्थिति के बावजूद कई प्रकार की चुनौतियाँ है -

① <u>रूढ़िवादिता</u> - हाल ही में एक सर्वे के अनुसार प्रत्येक चार में से एक व्यक्ति किसी न किसी रूप में अस्पृश्यता का समर्थन करता है।

② <u>निम्न वर्ग में जागरूकता नहीं</u> -

↳ इससे अपने प्रति हुये शोषण के खिलाफ आवाज नहीं उठा पाना।

③ <u>दुरुपयोग</u> → कई बार <u>एट्रोसिटीज एक्ट</u> के दुरुपयोग के प्रमाण।

हटाने के उपाय

① <u>शहरीकरण</u> → शहरों में जाति-व्यवस्था रूपी जकड़नों का अभाव।

② <u>समारोह में संवाद</u> - आपसी मिलन के द्वारा

③ <u>कानून का प्रभावी क्रियान्वयन</u> → कानून का प्रभावी क्रियान्वयन हो किन्तु दुरुपयोग पर प्रतिबंध।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(5) शिक्षा एवं जागरूकता का प्रसार।

- निजी क्षेत्र - सामाजिक समन्वय की भावना का प्रसार
- NGO के द्वारा अभिवृत्ति परिवर्तन

सारांशतः स्पष्ट है कि प्रस्तावना के लक्ष्यों न्याय, समानता, स्वतंत्रता एवं बंधुत्व की प्राप्ति के लिए अस्पृश्यता का उन्मूलन आवश्यक है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

20. भारत में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के लिये कौन-से विभिन्न कारक उत्तरदायी हैं? नशीली दवाओं के दुरुपयोग के बहुआयामी प्रभावों की चर्चा कीजिये और उपचारात्मक उपाय भी सुझाइये। (250 शब्द) 15

What are the various factors responsible for drug abuse in India? Discuss the multidimensional impact of drug abuse and also suggest remedial measures. (250 words) 15

NCRB के आंकड़ों के अनुसार भारत में लगभग 50 लाख लोग मादक पदार्थों का सेवन करते है। यह एक चुनौती के रूप में उभर रहा है।

कारण

① पारगमन मार्ग →

↳ गोल्डन क्रिसेंट तथा गोल्डन ट्रायंगल के बीच पारगमन मार्ग।

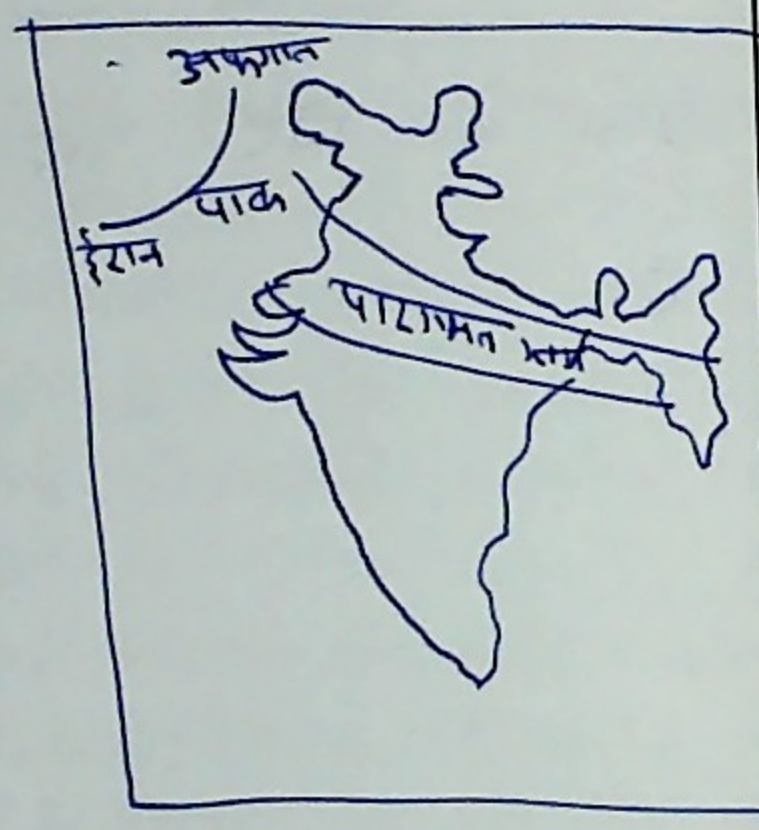

② कानून का प्रभावी क्रियान्वयन नहीं → स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी अधिनियम, 1985 का प्रभावी क्रियान्वयन नहीं होना।

③ दवा निर्माण के लिए दी छूटों का दुरुपयोग।

④ बढ़ती प्रतिस्पर्धा एवं तनाव।

⑤ विक्रेता द्वारा बिना किसी पहचान पत्र के उपलब्ध कराना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

⑥ डार्कनेट ट्रेडिंग

⑦ पार्टी कल्चर → लत लगना।

प्रभाव

① असुरक्षित यौन संबंध - पूर्वोत्तर में AIDS का प्रसार का कारण।

② जनांकिकीय लाभांश न ले पाना → युवा वर्ग का नशीली दवाओं में लिप्तता।

③ राष्ट्र विरोधी गतिविधियाँ → अवैध व्यापार से प्राप्त धन का उपयोग राष्ट्रविरोधी टेरर फंडिंग, संगठित अपराध

मादक व्यापार
- → टेरर फंडिंग
- → संगठित अपराध

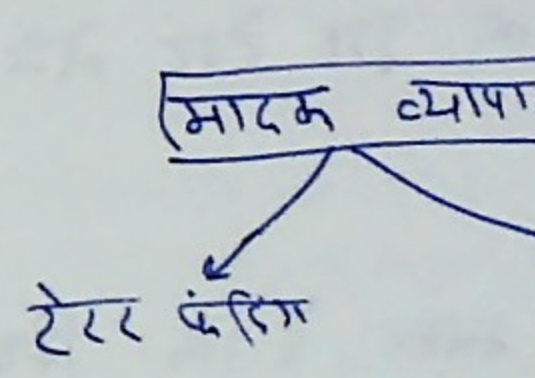

④ स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ
- → शारीरिक क्षमता का क्षीण होना
- → अनेक बीमारियाँ।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उपचार

① कानून का कठोर क्रियान्वयन।

② सीमा प्रबंधन को बेहतर करना।

③ युवाओं को रचनात्मकता से जोड़ना।

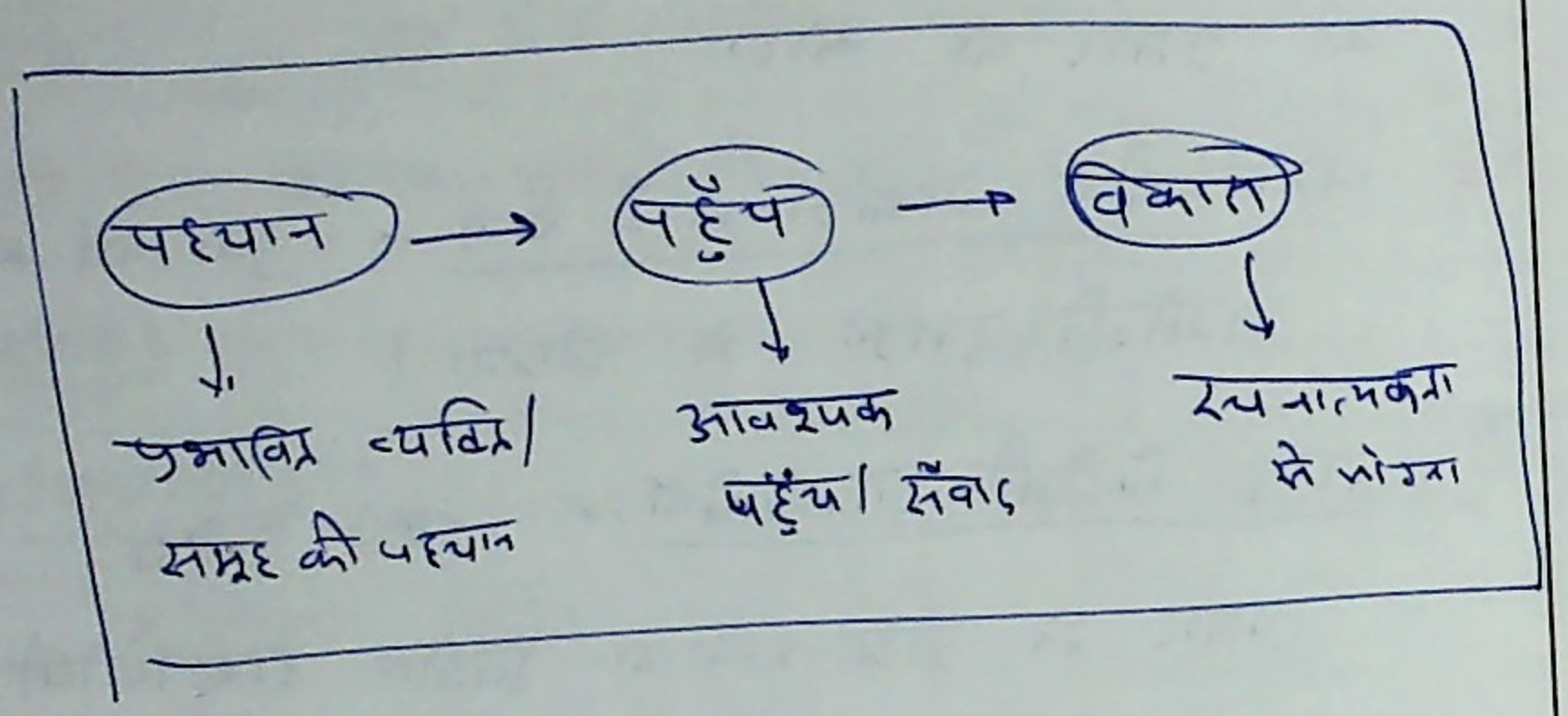

हाल ही में पंजाब सरकार द्वारा प्रत्येक सरकारी अधिकारी का ड्रग टेस्ट लेने की शुरुआत की गई।

इस प्रकार स्पष्ट है कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुये गंभीर प्रयास आवश्यक है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख
चाहिये।
(Candidate must no
write on this margi

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation